

॥ स्वाभित्रीशु ॥

Anoopam  
Mission

शुभिनित्त

जे भ्रमने जाणे ते परमने पामे  
डिसेम्बर २०२४ \* वर्ष ३८ \* अंक ८



“आ भूणशु शर्मा अनंत डोटि मुक्तो सहित  
अमने धारी रहेला साक्षात् अक्षरधाम छे.  
तेओने दीक्षा आपतां अमने अत्यंत आनंद थाय छे.”

~ भगवान श्री स्वाभिनारायण  
५भाण, विङ्गम संवत १८६६, पोष शुक्ल पूर्णिमा  
अक्षरधर श्री गुणतीतानंद स्वाभीशुनी दीक्षातिथि